उपभोक्ता विश्वसनीयता सर्वेक्षण - ति2: 2013-14 से 2014-15*

1. प्रस्तावना

भारतीय रिज़र्व बैंक जून 2010 से तिमाही आधार पर उपभोक्ता विश्वसनीयता सर्वेक्षण (सीसीएस) करता रहा है। सर्वेक्षण में आर्थिक स्थिति, गृहस्थों की हालत, आय, खर्च, मूल्य और रोजगार के अवसर से संबंधित प्रश्नों के गुणवत्तापूर्ण उत्तर (प्रतिक्रियाएं) होते हैं। सर्वेक्षण के निष्कर्ष उत्तर देने वालों के विचारों पर आधारित होते हैं और यह आवश्यक नहीं कि उसमें रिज़र्व बैंक के विचार शामिल हों। प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण दो भागों में किया जाता है अर्थात् एक वर्ष पूर्व की तुलना में वर्तमान स्थिति और एक वर्ष आगे की प्रत्याशाएं। सीसीएस के तिमाही निष्कर्ष रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर जारी किए जाते हैं। इस लेख में सर्वेक्षण की एक लंबी अवधि के विश्लेषण प्रस्तुत किए गए हैं जिसमें पिछले चार चक्र (2013-14 ति2 से 2014-15 ति1 तक) के सर्वेक्षणों पर ध्यान दिया गया है।

2. नमूना कवरेज और सर्वेक्षण प्रश्नावली

सर्वेक्षण छह महानगरों में किया गया था अर्थात् - बेंगलुरू, चेन्नै, हैदराबाद, कोलकता, मुंबई और नई दिल्ली। सर्वेक्षण के प्रत्येक चक्र में 5,400 प्रतिक्रियादाताओं का चयन किया गया था (प्रत्येक शहर से 900 प्रतिक्रियादाता)। सर्वेक्षण में दो चरणों के नमूना डिजाइन को अपनाया गया है। पहले चरण में शहर में, विभिन्न विधान-क्षेत्रों को क्रमानुसार रखने के बाद व्यवस्थित रैंडम सैंपलिंग तकनीक का उपयोग करते हुए मतदान केंद्रों का चयन किया गया था। बड़े भू-भाग को कवर करने के लिए पूरे शहर के 45 मतदान का चयन किया गया था। प्रत्येक मतदान केंद्र से, दायां-हाथ-नियम का पालन करते हुए 20 प्रतिक्रियादाताओं को चयन किया गया।

सर्वेक्षण का कार्य चार ब्लॉकों में आयोजित किया गया जिसमें प्रतिक्रियादाताओं के ब्योरे, आर्थिक स्थिति, गृहस्थों की परिस्थितियों को कवर किया गया तथा आय, व्यय आदि के संबंध में सामान्य राय एवं मूल्यस्तर के बारे में उनके विचार जाने गए। 2012-13 की दूसरी तिमाही से (10वां चक्र) सर्वेक्षण के कार्यों को संशोधित किया गया ताकि उसमें गृहस्थों की भावी परिस्थितियों, प्रमुख खर्चों के परिव्यय अर्थात् मोटर वाहन, मकान, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं आदि पर व्यय, वर्तमान रोजगार स्थिति तथा वर्तमान / भावी मूल्य-दर में परिवर्तन को शामिल किया जा सके। गुणवत्तापूर्ण जानकारी तीन बिंदु पैमाने - सकारात्मक /कोई परिवर्तन नहीं / नकारात्मक पर प्राप्त की गई।

बॉक्स I
उपभोक्ता विश्वसनीयता सूचकांक - विभिन्न देशों की परंपरा

उपभोक्ता की विश्वसनीयता को आर्थिक रुझान का अग्रणी संकेतक माना जाता है। वैश्वीकरण, घरेलू वित्तीय प्रणाली का अत्यधिक उदारीकरण और बाजार का बढ़ते हुए अविनियमन से तीव्र एवं भावी सूचनाएं जानने की आवश्यकता बढ़ गई है। अनेक विकसित देश उपभोक्ता-विश्वसनीयता सर्वेक्षण करते हैं। कुछ प्रमुख सर्वेक्षण नीचे प्रस्तुत हैं :

अमरीका : दो संस्थाएं जिनके नाम हैं., द कान्फ्रेन्स बोर्ड और युनिवर्सिटी ऑफ मिचिगन, दोनों क्रमशः 5000 और 500 प्रतिक्रियादाताओं के विचार एकत्रित करती हैं और उपभोक्ता विश्वसनीयता सूचकांक मासिक आधार पर संकलित करती हैं। युनिवर्सिट आफ मिचिगन द्वारा वर्तमान परिवार वित्त, भावी परिवार वित्त, भावी कारोबार स्थिति, भावी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था तथा वर्तमान खरीद स्थिति पैरामीटरों पर जानकारी प्राप्त की जाती है। द कान्फ्रेंस बोर्ड द्वारा वर्तमान कारोबार स्थिति, आगामी छह महीने की कारोबार की स्थिति, वर्तमान एवं आगामी छह महीने की रोजगार स्थिति तथा परिवारों की आगामी छह महीने की कुल आय संबंधी जानकारी हासिल की जाती है।

जापान : बैंक ऑफ जापान लगभग 5000 प्रतिक्रियादाताओं से विचार एकत्र करता है और उपभोक्ता विश्वसनीयता सूचकांक मासिक आधार पर संकलित करता है। सर्वेक्षण की अनुसूची में चुनिंदा पैरामीटरों पर प्रश्न होते हैं, जैसे - आर्थिक स्थिति, गृहस्थ परिस्थितियां, मूल्य-स्तर, भावी मूल्य, जापानी अर्थव्यवस्था की विकास क्षमता और बैंक की मान्यता एवं साख।

(जारी...)

* सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक, नई दिल्ली में तैयार किया गया। सर्वेक्षण के नवीनतम चक्र (जून 2014) के आंकड़े 5 अगस्त 2014 को रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर जारी किए गए थे। इस विषय पर पिछला वार्षिक लेख रिज़र्व बैंक की सितंबर 2013 बुलेटिन में प्रकाशित किया गया था।

(समाप्त)

आस्ट्रेलिया : वेस्ट पैक-मेलबोर्न इंस्टीट्यूट द्वारा आस्ट्रेलिया में मासिक आधार पर उपभोक्ता विश्वसनीयता सर्वेक्षण में लगभग 1200 प्रतिक्रियादाताओं से विचार संकलित किए जाते हैं। सर्वेक्षण 5 पैरामीटर पर आधारित होते हैं, जैसे एक वर्ष पूर्व परिवार वित्त की तुलना में अगले 12 महीने का परिवार वित्त, आगामी 12 महीने की आर्थिक स्थिति, आगामी 5 वर्ष की आर्थिक स्थिति तथा बड़ी गृहस्थ मदों की खरीद के लिए अच्छा और खराब समय।

यूके : जीएफके नॉप, उपभोक्ता विश्वसनीयता के मासिक संकलन के लिए 2000 प्रतिक्रियादाताओं से विचार एकत्र करती है। जीएफके नॉप, पांच पैरामीटरों के आधार पर जानकारी एकत्र करती है : पिछले 12 महीने में व्यक्तिगत वित्तीय स्थिति, आगामी 12 महीने में व्यक्तिगत वित्तीय स्थिति, पिछले 12 महीने में सामान्य आर्थिक स्थिति आगामी 12 महीने में सामान्य आर्थिक स्थिति और फर्नीचर या विद्युत सामग्री की खरीद पर अधिक व्यय करने से संबंधित औसत व्यक्तियों के लिए मन:स्थिति।

यूरो क्षेत्र : यूरोपियन कमीशन प्रत्येक महीने फोन पर लगभग 23,000 गृहस्थों से उपभोक्ता विश्वसनीयता सर्वेक्षण करता है। उनके प्रश्नों में वर्तमान आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति, बचत के इरादे तथा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, सामान्य आर्थिक स्थिति तथा टिकाऊ वस्तुओं की बड़ी खरीद के संबंध में प्रत्याशित प्रगति पर फोकस किया जाता है।

3. सर्वेक्षण परिणाम

सर्वेक्षण के परिणाम प्रत्येक पैरामीटर के हिसाब से उनपर प्राप्त कुल प्रतिक्रिया (सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोणों के बीच का अंतर) के अनुसार दिए गए हैं। रिपोर्टिंग के प्रयोजन से वर्तमान का प्रयोग एक वर्ष पहले की तुलना में वर्तमान स्थिति तथा भावी का प्रयोग एक वर्ष आगे की अवधि की प्रत्याशाओं के लिए किया गया है।

3.1 आर्थिक स्थिति

वर्तमान आर्थिक स्थिति के संबंध में प्रतिक्रिया 2012-13 की दूसरी तिमाही से नकारात्मक हो गई हैं और उसके बाद उनमें सुधार नहीं हुआ है (चार्ट 1)।

भावी आर्थिक स्थिति के बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण वर्तमान आर्थिक स्थिति के दृष्टिकोण से लगातार बेहतर रहा है (चार्ट 1)। इस मामले में भी सर्वेक्षण में 2012-13 की चौथी

चार्ट 1 : आर्थिक स्थिति के संबंध में निवल प्रतिक्रिया

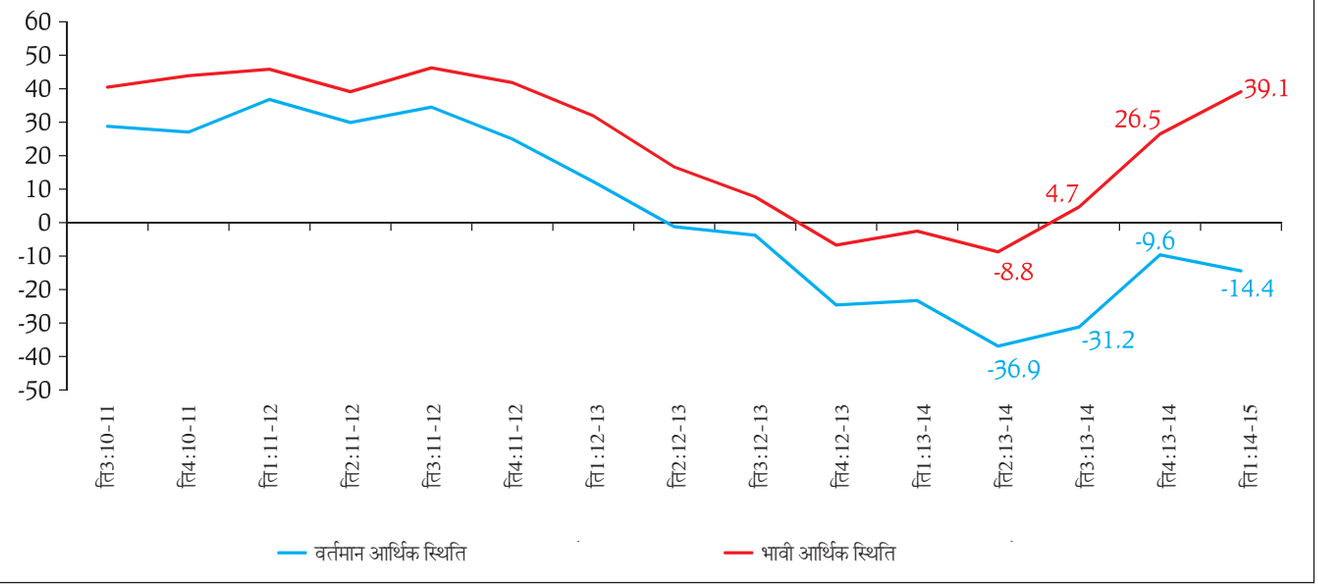

तिमाही से 2013-14 की दूसरी तिमाही के दौरान निवल प्रतिक्रिया नकारात्मक ही रही है। किंतु, 2013-14 की तीसरी तिमाही से यह सकारात्मक हो गई। भावी आर्थिक स्थिति के बारे में निवल प्रतिक्रिया में 2013-14 की तीसरी तिमाही के बाद से तेजी से सुधार आया जो 4.7 प्रतिशत से बढ़कर 39.1 प्रतिशत हो गई।

3.2 गृहस्थों की परिस्थितियां

गृहस्थों की वर्तमान परिस्थितियों के संबंध में निवल प्रतिक्रिया में 2013-14 की तीसरी तिमाही से बेहतर संकेत मिलने लगे। यह पाया गया कि गृहस्थों की परिस्थितियों के बारे में परिदृश्य, वर्तमान हालत की तुलना में अच्छा पाया गया है (चार्ट 2)। किंतु गृहस्थों की भावी परिस्थितियों के बारे में निवल प्रतिक्रिया 2013-14 की पहली तिमाही तक लगभग 49 प्रतिशत तक पहुंच गई थी।

सर्वेक्षण के सभी चक्र में गृहस्थों के बारे में प्रतिक्रिया देने वालों का नज़रिये उनके 'वेतन और कारोबारी आय' तथा 'मूल्य' जैसे दो बड़े कारकों से प्रभावित थे (सारणी 3)।

3.3 आय

भावी आय के बारे में नज़रिये से संबंधित निवल प्रतिक्रिया 2013-14 की दूसरी तिमाही में सबसे कम थी किंतु बाद के सर्वेक्षण चक्रों में उसमें सुधार दिखाई दिया था। वर्तमान आय

चार्ट 2 : गृहस्थ परिस्थितियों के संबंध में निवल प्रतिक्रिया

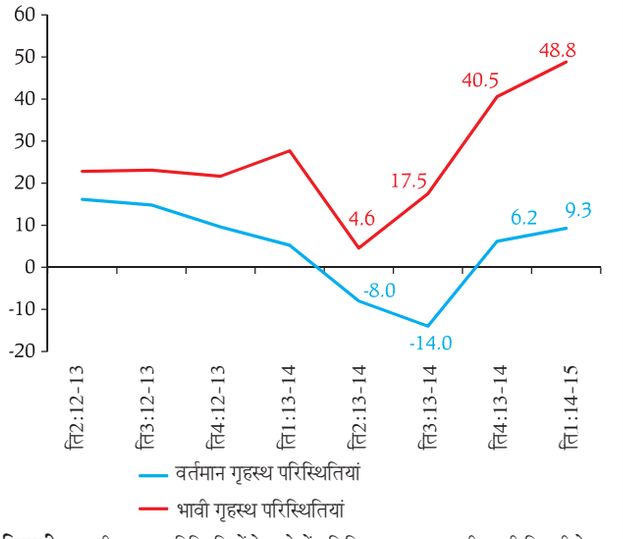

टिप्पणी : भावी गृहस्थ परिस्थितियों के बारे में प्रतिक्रिया 2012-13 की दूसरी तिमाही के बाद संकलित की गई हैं।

चार्ट 3 : आय के संबंध में निवल प्रतिक्रिया

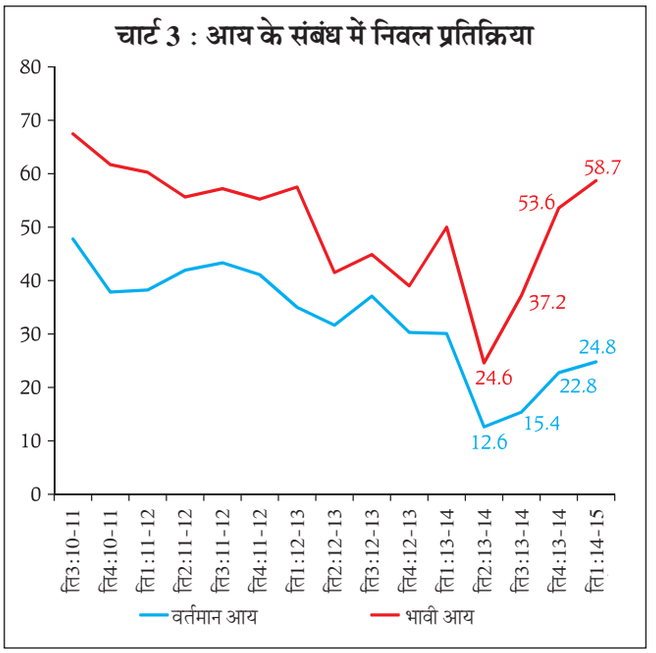

संबंधी दृष्टिकोण भावी आय के निवल दृष्टिकोण की तुलना में लगातार कम बना रहा है। हाल के पिछले दो चक्रों अर्थात् 2013-14 की चौथी तिमाही और 2014-15 की पहली तिमाही में भावी आय के बारे में निवल प्रतिक्रिया में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है (चार्ट 3)।

ऐसे प्रतिक्रियादाताओं का अनुपात, जो पिछले वर्ष की तुलना में अपेक्षाकृत उच्च आय की सूचना दी है, 2013-14 की दूसरी तिमाही के 34.5 प्रतिशत से लगातार बढ़ा है और 2014-15 की पहली तिमाही तक लगभग 39.1 प्रतिशत हो गया था। लेकिन भावी आय प्रत्याशा के बारे में यह अनुपात पिछली चार तिमाईयों में 40 प्रतिशत से ऊपर बना रहा है। लगभग 43-54 प्रतिशत प्रतिक्रियादाता ने सूचित किया है कि उनकी आय का स्तर पिछले वर्ष के स्तर के समान ही बना रहा है। लेकिन भावी प्रत्याशा के अनुसार यह अनुपात लगभग 30-41 प्रतिशत मात्र रहा है (सारणी 4)।

3.4 खर्च

वर्तमान निवल खर्च की तुलना में भावी खर्च के बारे में निवल प्रतिक्रिया लगातार कम रही है। वर्तमान और भावी खर्च के बारे में निवल प्रतिक्रिया में थोड़ा सुधार 2014-15 की पहली तिमाही में आने की उम्मीद है (चार्ट 4)।

चार्ट 4 : खर्च के संबंध में निवल प्रतिक्रिया

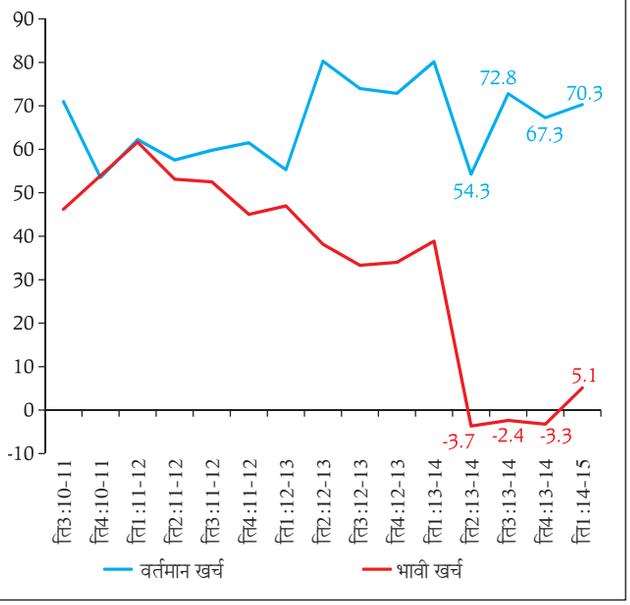

तीन-चौथाई से अधिक प्रतिक्रिया देने वालों ने यह सूचित किया है कि एक वर्ष पहले की तुलना में अब उनका खर्च बढ़ गया है (सारणी 5)। किंतु, आगामी वर्ष में बढ़े हुए भावी खर्च के संबंध में यह अनुपात काफी कम था। वर्तमान खर्च के बारे में दृष्टिकोण, 'उपभोक्ता वस्तुओं की लागत', 'सेवाओं की लागत' और 'आय' से प्रभावित थे (सारणी 6)।

3.5 मूल्य-स्तर और मुद्रास्फीति के बारे में दृष्टिकोण

पिछले एक वर्ष के दौरान वर्तमान मूल्य-स्तर के संबंध में निवल प्रतिक्रिया 90 प्रतिशत से कम थी। यह अनुपात भावी मूल्य-स्तर के बारे में प्राप्त निवल प्रतिक्रियाओं से थोड़ा सा कम था (चार्ट 5)। पिछले चार चक्रों के दौरान, ऐसे प्रतिक्रियादाताओं का अनुपात कम हो गया है जो मूल्य में वृद्धि की उम्मीद कर रहे थे। मूल्य में वृद्धि की उम्मीद के संबंध में निवल प्रतिक्रिया 80 प्रतिशत से कम होकर 70 प्रतिशत हो गई है।

प्रश्नों का दायरा बढ़ाते हुए मूल्य के स्तर में वृद्धि बताने वाले प्रतिक्रियादाताओं से यह पूछा गया था कि क्या मूल्य में वृद्धि की दर (अर्थात महंगाई) बढ़ेगी वही रहेगी या कम होगी। इस बारे में जो निवल प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है उसमें से 80 प्रतिशत यह उम्मीद कर रहे हैं कि अगामी वर्ष में महंगाई बढ़ेगी (चार्ट 6, सारणी 8)।

3.6 आय बनाम खर्च और महंगाई बनाम खर्च के संबंध में तुलनात्मक सारणी

पिछले चार चक्र में आय और खर्च के बारे में तुलनात्मक अध्ययन सारणी 9 में दिया गया है। लगभग 27-32 प्रतिशत प्रतिक्रियादाताओं ने यह सूचना दी है कि वर्तमान खर्च में वृद्धि की निर्भरता वर्तमान आय में वृद्धि पर होगी। लगभग 21-38 प्रतिशत प्रतिक्रियादाताओं ने रिपोर्ट किया है कि वर्तमान खर्च

चार्ट 5 : मूल्यस्तर के संबंध में निवल प्रतिक्रिया

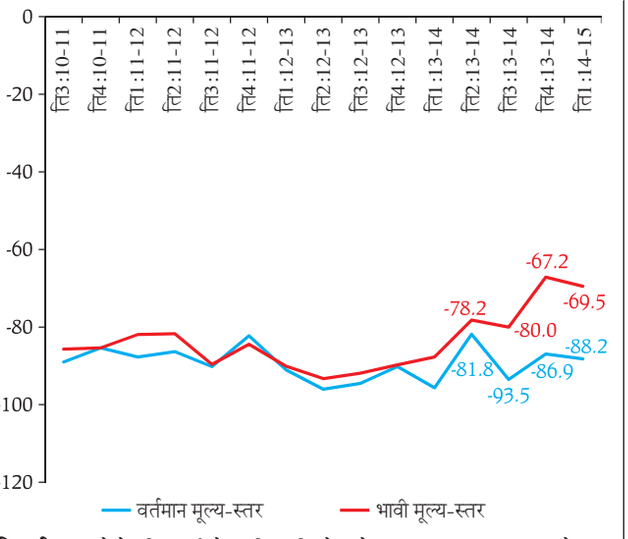

टिप्पणी : मूल्यों में वृद्धि /कमी से संबंधित दृष्टिकोण को नकारात्मक / सकारात्मक संवेदना माना गया है।

चार्ट 6 : मूल्य-स्तरों में परिवर्तन-दर के संबंध में निवल प्रतिक्रिया

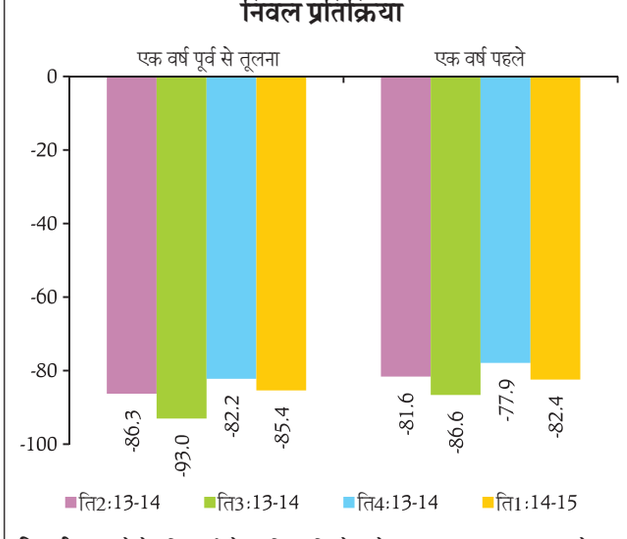

टिप्पणी : मूल्यों में वृद्धि/कमी से संबंधित दृष्टिकोण को नकारात्मक / सकारात्मक संवेदना माना गया है।

बढ़ेगा भले ही वर्तमान आय वही रहती है या कम हो जाती है। भावी आय में वृद्धि के साथ-साथ भावी खर्च में वृद्धि की प्रत्याशा अपेक्षाकृत कम पाई गई है क्योंकि 14-24 प्रतिशत प्रतिक्रिया देने वालों ने यह सूचित किया है भावी आय में वृद्धि के साथ भावी खर्च भी बढ़ेंगे।

पिछले चार चक्रों में महंगाई और खर्च की तुलनात्मक स्थिति सारणी 10 में दी गई है जिससे खर्च संबंधी दृष्टिकोण को और गहनता से देखा जा सकता है। प्राप्त प्रतिक्रियाओं के विश्लेषण से पता चलता है कि लगभग 63-74 प्रतिशत प्रतिक्रियादाताओं ने सूचित किया है कि वर्तमान ऊंची मंहगाई के चलते वर्तमान खर्च भी अधिक रहेगा। 23-32 प्रतिशत प्रतिक्रियादाताओं द्वारा की गई इस रिपोर्टिंग कि प्रत्याशित महंगाई में वृद्धि से भावी खर्च बढ़ेगा, की तुलना में भावी महंगाई में वृद्धि की प्रत्याशाओं के साथ कम खर्च के आशय जुड़े हुए हैं।

3.7 अन्य समष्टि आर्थिक संकेतकों से संबंधित दृष्टिकोण

3.7.1 रोजगार : आमतौर पर, प्रतिक्रियादाताओं ने रोजगार के बारे में आशावादी नज़रिया प्रस्तुत किया है। इसी प्रकार का पैटर्न रोजगार दृष्टिकोण के संबंध में निवल प्रतिक्रिया में पाया गया है (चार्ट 7)।

ऐसे प्रतिक्रियादाताओं का अनुपात लगातार अधिक रहा है जो वर्तमान रोजगार के अवसर में सुधार महसूस करने वालों की तुलना में भावी रोजगार परिदृश्य में सुधार की उम्मीद कर रहे हैं (सारणी 12)।

3.7.2 प्रमुख खर्चों की योजना : प्रतिक्रियादाताओं से यह पूछा गया था कि क्या यह अच्छा समय है कि किसी बड़े प्रकार की खरीद जैसे- मोटर वाहन, घर या टिकाऊ घरेलू वस्तुओं पर भारी मात्रा में खर्च कर दिया जाए। 2012-13 की चौथी तिमाही से इस सूची में स्वर्ण/बुलियन को भी जोड़ दिया गया है। पिछले चार चक्रों में, 32 प्रतिशत से कम प्रतिक्रियादाताओं ने यह सूचित किया है कि यह समय बड़ी खरीद जैसे - मोटर वाहन, घर, टिकाऊ वस्तुएं या स्वर्ण खरीदने के लिए बड़ी रकम खर्च करना ठीक रहेगा। लगभग एक-तिहाई प्रतिक्रियादाताओं ने यह बताया है कि स्वर्ण खरीदने के लिए यह समय अच्छा हैं (सारणी 12)।

3.8 उपभोक्ता विश्वसनीयता सूचकांक

3.8.1 वर्तमान स्थिति सूचकांक (सीएसआई) और भावी प्रत्याशा सूचकांक (एफईआई)

2012-13 की दूसरी तिमाही से पहले के चक्रों में सीएसआई, आर्थिक स्थिति, गृहस्थ परीस्थिति, आय, खर्च और मूल्य-स्तर के संबंध में निवल प्रतिक्रिया पर आधारित थी और एफईआई, आर्थिक स्थिति, आय, खर्च, रोजगार स्थिति और मूल्यस्तर के संबंध में निवल प्रतिक्रिया पर आधारित थी। 2012-13 की दूसरी तिमाही से इन सूचकांकों की गणना सामान्य पैरामीटर के सेट का इस्तेमाल

चार्ट 7 : रोजगार दृष्टिकोण संबंधी निवल प्रतिक्रिया

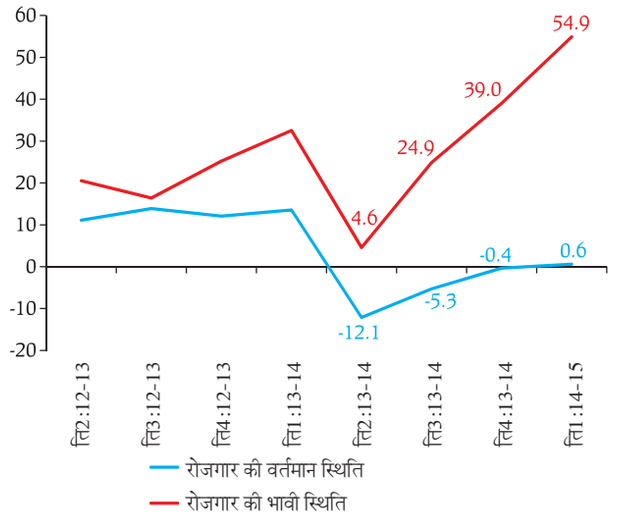

नोट: वर्तमान रोजगार दृष्टिकोण संबंधी प्रतिक्रिया ति2:2012-13 से प्राप्त की गई।

चार्ट 8: वर्तमान स्थिति सूचकांक एवं भावी प्रत्याशा सूचकांक

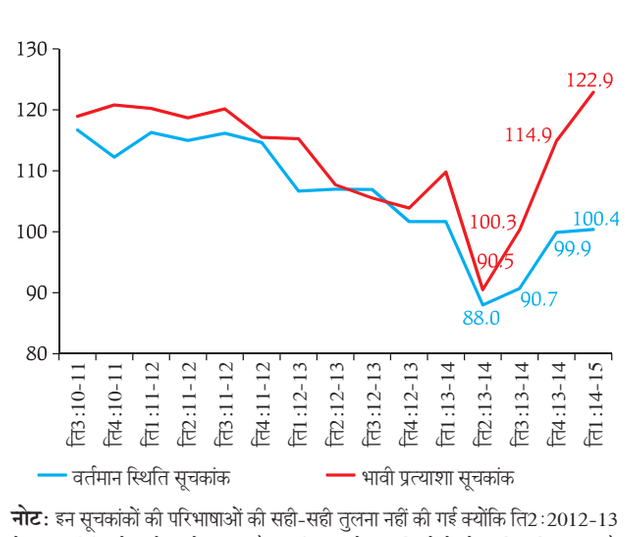

नोट: इन सूचकांकों की परिभाषाओं की सही-सही तुलना नहीं की गई क्योंकि ति2:2012-13 से संगत सीरीज में वर्तमान रोजगार और भावी हाउसहोल्ड दृष्टिकोणों को शामिल किया गया है।

करते हुए किया गया है अर्थात् आर्थिक स्थिति, गृहस्थ परिस्थितियां, आय, खर्च, रोजगार स्थिति और मूल्य-स्तर (नई विधि अनुबंध 2 में)।

सीएसआई और एफईआई दोनों प्रारंभ से ही 2013-14 की दूसरी तिमाही में सबसे कम था। किंतु सीएसआई में धीरे-धीरे सुधार हुआ और 2014-15 की पहली तिमाही में निर्धारित स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि, एफईआई में सर्वेक्षण के पिछले चार चक्रों में लगभग सभी पैरामीटर में सकारात्मक दृष्टिकोण में वृद्धि की वजह से अत्यधिक सुधार हुआ है। फिर भी सभी पैरामीटर में समान वृद्धि नहीं हुई है।

समग्र रूप से, उपभोक्ता विश्वसनीयता सूचकांक सामान्य रूप से सकारात्मक दृष्टिकोण में वृद्धि का सूचक है, इसलिए वर्तमान स्थिति की तुलना में भावी परिस्थितियों के संबंध में आशावादी दृष्टिकोण होता है।

3.8.2. अनुमानों में तेजी

अनुमानों की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए बूटस्ट्रैप विधि का उपयोग करते हुए सीएसआई और एफईआई मध्यमान हेतु विश्वसनीयता अंतराल का अनुमान निकाला गया है। 'साधारण रैडंम सैंपलिंग रिप्लेसमेंट सीओ के माध्यम से 10,000 पुनः नमूने चुने गए, मध्यमान सीएसआई और मध्यमान एफईआई हेतु बूटस्ट्रैप विश्वसनीयता अंतराल सारणी 14 में दिए गए हैं। विश्वसनीयता अंतराल की चौडाई 2.7 से 3.2 के बीच थी जिससे सीएसआई और एफईआई के अनुमानों की तेजी ज्ञात होती है।

अनुबंध 1 - आंकड़ा सारणी

सारणी 1 : आर्थिक स्थिति के संबंध में मत

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15
वृद्धि	22.4	22.7	29.5	25.5	29.9	34.8	47.6	56.7
समान	18.4	23.3	31.3	34.6	31.5	35.1	31.2	25.6
खराब	59.3	54.0	39.1	39.9	38.6	30.1	21.1	17.6
निवल प्रतिक्रिया	**-36.9**	**-31.2**	**-9.6**	**-14.4**	**-8.8**	**4.7**	**26.5**	**39.1**

सारणी 2 : गृहस्थ परिस्थितियों के संबंध में दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15
वृद्धि	30.8	23.7	32.4	36.5	33.3	37.1	52.9	59.7
समान	30.4	38.6	41.3	36.3	38.0	43.3	34.7	29.5
खराब	38.8	37.7	26.2	27.2	28.7	19.6	12.4	10.9
निवल प्रतिक्रिया	**-8.0**	**-14.0**	**6.2**	**9.3**	**4.6**	**17.5**	**40.5**	**48.8**

सारणी 3 : गृहस्थ परिस्थितियों के संबंध में विचारों को प्रभावित करने वाले मुख्य कारक

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15
वेतन और कारोबार से आय	84.1	70.0	74.8	84.4	81.3	77.2	72.1	90.0
ब्याज और लाभांश से आय	30.8	15.4	22.4	14.9	32.8	15.6	18.7	14.8
भू-संपदा की बिक्री से आय	26.6	12.1	17.6	13.1	26.2	12.2	16.1	13.7
मूल्य	76.0	78.8	81.7	74.4	70.6	70.9	75.8	73.1
ऑस्तियों के मूल्य में परिवर्तन	25.8	12.8	17.4	7.6	26.3	13.6	17.4	8.1
मेरे परिवार में आश्रितों की संख्या	34.5	19.7	33.2	20.4	37.2	20.4	30.0	19.1

टिप्पणी : चूंकि प्रतिक्रियादाता अनेककारकों के बारे में रिपोर्ट करते हैं, इसलिए प्रतिशत प्रतिक्रिया 100 से अधिक हो सकती है।

सारणी 4 : आय के संबंध में दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15
वृद्धि	34.5	30.9	34.3	39.1	41.7	45.4	58.9	63.9
समान	43.5	53.5	54.2	46.7	41.2	46.4	35.8	30.8
खराब	21.9	15.5	11.5	14.3	17.1	8.2	5.3	5.2
निवल प्रतिक्रिया	**12.6**	**15.4**	**22.8**	**24.8**	**24.6**	**37.2**	**53.6**	**58.7**

सारणी 5 : खर्च के संबंध में दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15
वृद्धि	61.8	76.7	73.9	77.1	28.4	26.4	25.1	36.3
समान	30.7	19.4	19.4	16.0	39.5	44.8	46.6	32.6
खराब	7.5	3.9	6.6	6.8	32.1	28.8	28.3	31.2
निवल प्रतिक्रिया	**54.3**	**72.8**	**67.3**	**70.3**	**-3.7**	**-2.4**	**-3.3**	**5.1**

सारणी 6 : खर्च के दृष्टिकोण को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	आय	भावी आय	गैर-वित्तीय आस्ति	वित्तीय आस्ति	भू-संपदा पर व्यय	उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुपर व्यय	आश्रितों की संख्या	उपभोक्ता की लागत	सेवाओं की लागत
ति2:2013-14	66.6	32.1	20.5	40.0	26.2	39.0	49.9	79.4	70.4
ति3:2013-14	51.2	22.2	9.7	17.7	20.8	38.2	41.8	83.0	66.9
ति4:2013-14	49.0	26.0	11.3	24.7	21.6	46.6	50.2	75.2	71.7
ति1:2014-15	61.7	29.6	10.9	16.7	23.8	34.5	36.1	67.6	62.1

टिप्पणी : चूंकि प्रतिक्रियादाता अनेक कारकों के संबंध में रिपोर्ट करते हैं, इसलिए कारकों से संबंधित कुल प्रतिशत 100 से अधिक हो सकता है।

सारणी 7 : मूल्य-स्तर के संबंध में दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15
वृद्धि	85.2	94.2	88.9	89.7	82.6	83.0	73.6	76.7
समान	11.4	5.1	9.1	8.8	13.1	14.0	19.9	16.1
खराब	3.4	0.7	2.0	1.5	4.4	3.0	6.5	7.2
निवल प्रतिक्रिया	**-81.8**	**-93.5**	**-86.9**	**-88.2**	**-78.2**	**-80.0**	**-67.2**	**-69.5**

टिप्पणी : मूल्यों में वृद्धि/कमी के दृष्टिकोण के नकारात्मक / सकारात्मक संवेदना माना गया है।

सारणी 8 : मूल्य-स्तर (महंगाई) में परिवर्तन दर के संबंध में दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15
वृद्धि	89.0	93.4	83.8	87.1	85.4	87.8	80.8	84.0
समान	8.3	6.2	14.5	11.1	10.9	11.1	16.3	14.5
खराब	2.7	0.4	1.6	1.8	3.7	1.1	2.9	1.5
निवल प्रतिक्रिया	**-86.3**	**-93.0**	**-82.2**	**-85.4**	**-81.6**	**-86.6**	**-77.9**	**-82.4**

टिप्पणी : मूल्यों में वृद्धि/कमी के दृष्टिकोण के नकारात्मक / सकारात्मक संवेदना माना गया है।

सारणी 9 : आय और व्यय की तुलनात्मक सारणी

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

आय \ खर्च (व्यय)		वर्तमान आय बनाम वर्तमान व्यय			भावी आय बनाम भावी व्यय		
		वृद्धि	समान	खराब	वृद्धि	समान	खराब
ति2: 2013-14	वृद्धि	26.9	6.7	0.9	14.2	14.3	13.1
	समान	21.7	19.3	2.4	9.9	18.6	12.8
	खराब	13.2	4.6	4.3	4.4	6.5	6.2
ति3: 2013-14	वृद्धि	26.6	3.7	0.7	14.5	18.7	12.2
	समान	37.7	14.3	1.5	10.4	23.7	12.2
	खराब	12.5	1.4	1.7	1.4	2.4	4.4
ति4: 2013-14	वृद्धि	29.3	4.2	0.8	18.1	24.0	16.8
	समान	36.3	13.9	4.0	5.7	20.9	9.1
	खराब	8.2	1.4	1.9	1.2	1.7	2.4
ति1: 2014-15	वृद्धि	31.9	5.3	1.9	24.4	19.0	20.5
	समान	34.5	9.1	3.1	10.4	12.2	8.3
	खराब	10.7	1.6	1.9	1.5	1.3	2.4

सारणी 10 : मद्रास्फीति और खर्च की तुलनात्मक सारणी

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

आय \ खर्च (व्यय)		वर्तमान आय बनाम वर्तमान व्यय			भावी आय बनाम भावी व्यय		
		वृद्धि	समान	खराब	वृद्धि	समान	खराब
ति2: 2013-14	वृद्धि	63.4	19.7	5.9	25.2	31.6	28.6
	समान	4.0	4.0	0.3	3.1	5.2	2.5
	खराब	1.2	1.3	0.2	1.3	1.9	0.5
ति3: 2013-14	वृद्धि	73.8	16.4	3.3	23.6	37.0	27.2
	समान	4.9	1.1	0.2	2.8	5.1	3.2
	खराब	0.3	0.0	0.1	0.6	0.3	0.2
ति4: 2013-14	वृद्धि	66.1	13.5	4.2	23.7	32.3	24.7
	समान	10.5	3.0	1.0	3.6	9.4	3.3
	खराब	0.9	0.3	0.4	0.5	1.5	0.9
ति1: 2014-15	वृद्धि	69.5	12.1	5.6	32.0	24.7	27.3
	समान	8.0	2.5	0.6	5.8	6.0	2.7
	खराब	1.1	0.3	0.4	0.4	0.7	0.4

सारणी 11 : रोजगार के संबंध में वर्तमान और भावी दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

	1 वर्ष पूर्व से तुलना				1 वर्ष आगे			
	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15	ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15
वृद्धि	26.6	29.1	28.3	30.8	35.3	45.1	54.6	65.1
समान	34.6	36.5	43.0	39.0	34.0	34.7	29.9	24.8
खराब	38.8	34.4	28.7	30.2	30.7	20.2	15.5	10.1
निवल प्रतिक्रिया	-12.1	-5.3	-0.4	0.6	4.6	24.9	39.0	54.9

सारणी 12 : प्रमुख व्यय के परिव्यय के संबंध में दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

		ति2:13-14	ति3:13-14	ति4:13-14	ति1:14-15
मोटर वाहन	**हा**	13.1	14.4	21.1	17.9
	कह नहीं सकते	19.2	17.3	21.9	20.6
	नहीं	67.7	68.2	57.0	61.5
आवास	**हा**	14.1	17.7	19.7	25.4
	कह नहीं सकते	16.6	15.4	18.7	19.2
	नहीं	69.3	67.0	61.6	55.4
टिकाऊ वस्तुएं	**हा**	15.3	21.9	20.2	29.7
	कह नहीं सकते	18.4	18.6	27.3	21.8
	नहीं	66.4	59.4	52.5	48.5
स्वर्ण	**हा**	9.8	18.9	15.5	32.0
	कह नहीं सकते	12.2	15.4	15.7	17.8
	नहीं	78.0	65.8	68.8	50.2

सारणी 13 : वर्तमान और भावी प्रत्याशा सूचकांक

	ति3: 10-11	ति4: 10-11	ति1: 11-12	ति2: 11-12	ति3: 11-12	ति4: 11-12	ति1: 12-13	ति2: 12-13	ति3: 12-13	ति4: 12-13	ति1: 13-14	ति2: 13-14	ति3: 13-14	ति4: 13-14	ति1: 14-15
सीएसआई	116.7	112.2	116.3	115.0	116.2	114.6	106.7	106.2	105.5	99.6	99.3	88.0	89.9	99.9	100.4
सीएसआई (संशोधित)								107.0	106.9	101.7	101.7	88.0	90.7	99.9	100.4
एफईआई	118.9	120.8	120.2	118.7	120.2	115.5	115.3	104.7	102.1	100.4	106.2	87.7	96.9	109.7	117.7
एफईआई (संशोधित)								107.7	105.6	103.9	109.8	90.5	100.3	114.9	122.9

सारणी 14 : 10,000 पुन: नमूनों पर आधारित 99% बूटस्ट्रैप विश्वसनीयता अंतराल

सर्वेक्षण चक्र	सर्वेक्षण समाप्त तिमाही	सीएसआई		एफईआई	
		मध्यमान हेतु 99% बीसीआई	अंतराल की चौड़ाई	मध्यमान हेतु 99% बीसीआई	अंतराल की चौड़ाई
14	**ति2:13-14**	(86.5,89.5)	3.0	(88.9,92.1)	3.2
15	**ति3:13-14**	(89.3,92.1)	2.8	(98.8,101.8)	3.0
16	**ति4:13-14**	(98.4,101.4)	3.0	(113.3,116.4)	3.1
18	**ति1:14-15**	(99.0,101.7)	2.7	(121.5,124.2)	2.7

अनुबंध 2 : पद्धति
वर्तमान स्थिति सूचकांक और भावी प्रत्याशा सूचकांक

मानक मत सर्वेक्षण में, आमतौर पर प्रतिक्रियादातओं को उत्तर देने के लिए तीन विकल्प दिए जाते हैं जैसे - ऊपर /समान /नीचे, अथवा सामन्य से अधिक /सामान्य/ सामान्य से कम; अथवा वृद्धि / समान /कमी । इन तीनों प्रतिशतों की व्याख्या करने की कठिनाई के कारण, सर्वेक्षण के परिणामों को सामान्यतया एक अंक की संख्या में परिवर्तित किया जाता है। सामान्य रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला एक तरीका यह है - 'निवल-प्रतिक्रिया (इसे - 'बैलेंसेस' या 'निवल बैलेंसेस भी कहते हैं)। इसे इस प्रकार से परिभाषित किया गया है - प्रतिक्रियादाताओं द्वारा रिपोर्ट किए नई कमी (ऋणात्मक) के प्रतिशत को , वृद्धि (धनात्मक) रिपोर्टिंग प्रतिशत में से घटाना। निवल प्रतिक्रिया का मूल्य - 100 से + 100 हो सकता है। इस सर्वेक्षण में, निवल प्रतिक्रिया का उपयोग उपभोक्ता विश्वसनीयता सर्वेक्षण परिणामों के विश्लेषण करने के लिए किया गया है। उपभोक्ता विश्वसनीयता दृष्टिकोणों को विभिन्न पैरामीटरों से जोड़ने के लिए दो प्रकार के सूचकांक प्रयोग में लाए जा रहे हैं।

इनमें से एक है वर्तमान स्थिति का सूचकांक जो एक वर्ष पहले की तुलना में वर्तमान स्थिति को प्रस्तुत करते हैं और दूसरा है भावी प्रत्याशा सूचकांक जो एक वर्ष आगे की प्रत्याशा को प्रदर्शित करता है। सूचकांक की गणना के लिए निम्नलिखित फार्मूला का उपयोग किया गया है।

समग्र सूचकांक = 100+ औसत (चयनित कारकों की निवल प्रतिक्रियाएं)

जिसमें निवल प्रतिक्रिया = सकारात्मक दृष्टिकोण (%) - ऋणात्मक दृष्टिकोण (%)

वर्तमान स्थिति सूचकांक की गणना के लिए विभिन्न कारकों से संबंधित वर्तमान दृष्टिकोण की औसत निवल प्रतिक्रिया का उपयोग किया जाता है अर्थात् आर्थिक स्थिति, गृहस्थों की परिस्थितियां, आय, व्यय, मूल्यस्तर और रोजगार।[@]

भावी प्रत्याशा सूचकांक के अकलन के लिए विभिन्न कारकों से संबंधित भावी दृष्टिकोण की औसत निवल प्रतिक्रिया का उपयोग किया जाता है अर्थात् आर्थिक स्थिति, गृहस्थ,[@@] आय, व्यय, मूल्य-स्तर और रोजगार।

@ और @@ : वर्तमान रोजगार एवं भावी गृहस्थ दृष्टिकोण सितंबर 2012 से लिए गए हैं। उन्हें सीएसआई और एफईआई की गणना के लिए सितंबर 2012 से शामिल किया गया है।